हुमायूँ

1530 – 1540
1555 - 1556



बचपन का नाम = नसीरुद्दीन मौहम्मद खोदमीर

Childhood Name = Naseeruddin Muhammad Khodmir

जन्म = 1508 काबुल **Born = 1508 Kabul**

माता = माहम बेगम **Mother = Maham Begum**

गद्दी पर बैठने से पहले बदख्शाँ का सूबेदार था।

Before sitting on the throne, he was the subedar of Badakhshan.

राज्याभिषेक = 1530 (आगरा) **Coronation = 1530 (Agra)**

- 1531 = कांलिंजर (बांदा, यूपी) दुर्ग जीता।
  1531 = Kalinjar (Banda, UP) fort won.
  - प्रताप रुद्र देव के अधीन Pratap under Rudra Dev
- 1532 = चुनार का किला घेरा 1532 = Siege of Chunar Fort
  - मिर्जापुर Mirzapur
  - सन्धि हुई (हिन्दू बेग के माध्यम से)
    Treaty concluded (through Hindu Beg)

1532 में = दोहरिया का युद्ध जीता In 1532 = won the battle of Dohariya

- (शेरशाह सूरी+महमूद लोदी को हराया)
  (Defeated Sher Shah Suri + Mahmud Lodi)

- 1533 में = दीनपनाह पुस्तकालय (दिल्ली) की स्थापना की।

In 1533 = Dinpanah Library (Delhi) was established.

- 1539 में बंगाल (गौड़ प्रदेश) को जीतकर उसका नाम 'जन्नताबाद', कर दिया गया।

After winning Bengal (Gaur Pradesh) in 1539, its name was changed to 'Jannatabad'.



(दिल्ली का नियंत्रण= शेख बहलोल)

(Control of Delhi = Sheikh Bahlol)

- बंगाल विजय के दौरान हिंदाल ने शेख बहलोल की हत्या करके खुद को दिल्ली का सम्राट घोषित कर दिया।

During the conquest of Bengal, Hindal killed Sheikh Bahlol and declared himself the emperor of Delhi.

- दिल्ली वापस आते समय = चौसा का युद्ध, 1539 में हुआ।

While coming back to Delhi = Battle of Chausa took place in 1539.

हुमायूँ VS शेरशाह सूरी Humayun Vs Sher Shah Suri

→ हारा Defeated



कर्मनाशा नदी में कूद गया,
और एक निजाम भिश्ती
ने इसी जान बचाई।

in the river Karmnasa Jumped,
and a Nizam Bhishti
Saved this life.

चमड़े के सिक्के

दो व्यक्तियों ने चलवाए।

1. MBT ✓
2. निजाम भिश्ती ✓

- 1540 में कन्नौज (बिलग्राम) का युद्ध हुआ।

The battle of Kannauj (Bilgram) took place in 1540.

हुमायूँ VS शेरशाह Humayun VS Sher Shah

हार

जीता और दिल्ली पर 2nd अफगान वंश

Conquered and 2nd Afghan dynasty on Delhi

(सूरी साम्राज्य Suri Empire)

हुमायूँ भागकर आगरा से पंजाब – सिंधु गया और–1541 में हमीदा वानो बेगम से शादी की।

Humayun fled from Agra to Punjab - went to Indus and-Married Hamida Wano Begum in 1541.

पुत्र–अकबर का जन्म (1542 में) हुआ

Son-Akbar was born (in 1542)

राणा वीरसाल (PB) के यहाँ।

At the place of Rana Virsal (PB).

- 1555 में हुमायूँ वापस आया। Humayun returned in 1555.
- 1555 में – मच्छीवाड़ा (PB) का युद्ध जीता।

  In 1555 - won the battle of Machhiwada (PB).
- 1555 में सरहिंद का युद्ध जीता। Won the battle of Sirhind in 1555.

हुमायूँ Vs सिकन्दर शाह सूरी → सूर वंश का शासक

Humayun VS Sikandar Shah Suri

जीता। won.

- इस युद्ध के बाद हुमायूँ ने अकबर को लाहौर का सूबेदार बनाया।
  After this war, Humayun made Akbar the governor of Lahore.
- 1556 में हुमायूँ की दीनपनाह पुस्तकालय में सीढ़ियो से गिरकर मौत हुई।
  Humayun died in 1556 by falling down the stairs in the Dinpanah library.

1556
1542
14 वर्ष

स्टेनले लेनपूल = हुमायूँ के जीवन को लड़खड़ाता जीवन कहा।
Stanley Lenpool = Life of Humayun Called a faltering life.

- हुमायूँनामा की रचना = गुलबदन बेगम ने की
  Composition of Humayunnama = Gulbadan Begum

(चचेरी बहन थी Cousin Sister)

- हुमायूँ का मकबरा = दिल्ली **Humayun's Tomb = Delhi**
- हुमायूँ रविवार को पीले वस्त्र, शनिवार – काले वस्त्र और सोमवार को सफेद वस्त्र पहनता था।

Humayun used to wear yellow clothes on Sundays, black clothes on Saturdays and white clothes on Mondays.

ज्योतिष में विश्वास।



सूर साम्राज्य (1540–1555)

15 वर्षों

2nd : अफगान वंश 2nd Afghan descent

भाषा : फारसी Language: Farsi

- तारीख–ए–शेरशाही – पुस्तक

Tarikh-e-Shershahi - BookTarikh-e-Shershahi - Book

"अब्बास खाँ शरवानी" – (अकबर के कहने पर)

"Anbas Khan Sharwani" - (at the behest of Akbar)

शेरशाह सूरी (1540–1545



- बचपन का नाम : फरीद खाँ
  Childhood Name: Farid Khan
- पिता : हसन खाँ Father: Hasan Khan
- बिहार का सूबेदार : बहार खाँ लोहानी (मोहम्मद शाह)
  Governor of Bihar: Bahar Khan Lohani (Mohammed Shah)

पुत्र Son

जलाल खाँ का संरक्षक बना। Became the guardian of Jalal Khan.

- शेरशाह ने बहार खाँ लोहानी की विधवा दूदू बेगम से विवाह किया।
  Sher Shah married Dudu Begum, the widow of Bahar Khan Lohani.

- 1529 में बंगाल में नुसरत शाह को हराकर "हजरत अली" की उपाधि धारण की। After defeating Nusrat Shah in Bengal in 1529, assumed the title of "Hazrat Ali".
- 1530 में चुनार का किला (मिर्जापुर) जीता और लाड़मलिका से विवाह किया। Won the fort of Chunar (Mirzapur) in 1530 and married Ladmalika.
- 1539 में – चौसा का युद्ध जीता और शेरशाह (अल–सुल्तान आदिल) की उपाधि धारण की। In 1539 - won the battle of Chausa and assumed the title of Sher Shah (Al-Sultan Adil).
- 1540 में बिलग्राम/कन्नौज का युद्ध जीता "सूर वंश की स्थापना की"
- thrk Won the battle of Bilgram/Kannauj in 1540 "Founded the Sur dynasty"

- 1542 में मालवा को Conquered Malwa in 1542
- 1543 – रायसीन को जीता – पूरनमल जाट को धोखे से मारा।
  1543 - Won Raisin - killed Puranmal Jat by deceit.

बाबर से चंदेरी का किला जीता था। The fort of Chanderi was won from Babur.

- 1545 में कांलिंजर पर आक्रमण किया :– (कीर्ति सिंह)– "चंदेल शासक"
  Attacked Kalinjar in 1545: – (Kirti Singh) – "Chandela Ruler"

(बांदा उ0प्र0) उक्का तोप का इस्तेमाल हुआ – गोला फटने से शेरशाह की मृत्यु हो गयी। (Banda U.P.) Ukka cannon was used - Sher Shah died due to explosion of the shell.

- शेरशाह सूरी का मकबरा : सासाराम (बिहार)
  Tomb of Sher Shah Suri: Sasaram (Bihar)

☞ शेरशाह सूरी से सम्बंधित अन्य बातें:– Other things related to Shershah Suri:-

1. भू – राजस्व व्यवस्था : पैदावार का 1/3 कर (उत्पादन के आधार पर)
   Land revenue system: 1/3 tax of produce (based on production)
   - टोडरमल

2. पट्टा प्रथा शुरू की : (जिसे कबूलियत कहा गया)
   Started the Patta system: (called kabuliyat)

3. शुद्ध चाँदी के सिक्के जारी किए (वर्तमान स्वरुप)

Pure silver coins issued (current form)

4. सड़क –ए–आजम (जी.टी. रोड़) – आकलैण्ड ने नामकरण किया

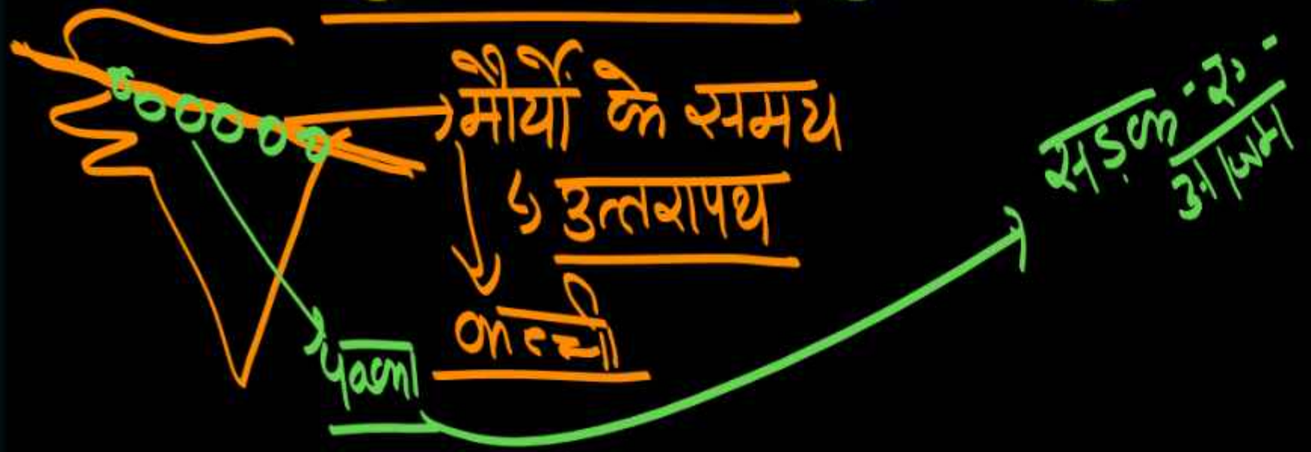
Sadak-e-Azam (G.T. Road) - Auckland named

5- रोहताशगढ़ के किले का निर्माण करवाया Built the fort of Rohtashgarh

6- डाक सेवा का जनक (प्रमुख – हेमू)

Father of Postal Service (Chief - Hemu)

7- गुप्तचर प्रणाली (प्रमुख – हेमु) Intelligence System (Chief - Hemu)



2. जलाल खाँ – इस्लाम शाह नाम से गद्दी पर बैठा।

Jalal Khan - sat on the throne by the name of Islam Shah.

9 वर्ष शासन काल (1545–1554) 9 year reign (1545-1554)

के समय कवि मलिक मोहम्मद जायसी At the time of poet

Malik Muhammad Jayasi

3. फिरोज – 3 दिन Firoz - 3 days

फिरोज की हत्या मुजारिब खाँ ने कर दी।

Firoz was killed by Mujarib Khan.

BHAJSA

"शेरशाह का भाई निजाम खाँ का पुत्र"

"Son of Sher Shah's brother Nizam Khan"

4. मुजारिब खाँ (आदिलशाह) – शेरशाह सूरी का दामाद"

Mujarib Khan (Adilshah) - son-in-law of Sher Shah Suri.